शब्दबाणों का प्रहार

सिवनी

राष्ट्रबाण

संपादकः संजय बघेल

मध्य भारत का सबसे लोकप्रिय अखबार

मंगलवार 13 मई 2025 • वर्ष : 10 • अंक : 55 • पृष्ठ : 08 • मूल्य : 5.00 रुपए

www.facebook.com/rashtrabaan www.twitter.com/rashtrabaan

न्यूज ब्रीफ

चेक-इन के वक्त बैग से चोरी हुए 30 लाख के जेवर

बेंगलुरु। बेंगलुरु के एक कपल ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है कि दिल्ली अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर उनके चेक-इन बैगेज से करीब 30 लाख रुपए के आभूषण और 30000 रुपए चोरी हो गए। घटना 26 अप्रैल की सुबह इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 पर हुई। दंपति ने दावा किया कि जब उन्होंने बेंगलुरु में अपना बैग चेक किया तो उन्हें कीमती सामान गायब था। शिकायतकर्ता भगीरथ सिंह राजपुरोहित ने बताया कि वह और उनकी पत्नी 14 अप्रैल को अपने गृह राज्य राजस्थान में एक शादी में शामिल होने गए थे और दिल्ली होते हुए बेंगलुरु लौट रहे थे।

महाराष्ट्र के ठाणे में ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे शहर में रविवार रात ट्रक-बाइक की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई। हादसा रात करीब 10 बजे कपूरबावड़ी ब्रिज के पास हुआ। नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रमुख यासिन तडवी के अनुसार, ट्रक चालक का नियंत्रण हट गया और उसने स्कूटर को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि सवार सड़क पर गिर गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, ट्रैफिक पुलिस और एम्बुलेंस की टीम मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस का कहना है कि ट्रक चालक फरार है और उसकी तलाश जारी है। मामले की जांच की जा रही है।

तमिलनाडु में बर्थडे पार्टी के दौरान झगड़ा, दो दोस्तों की मौत

मराइमलाई। तमिलनाडु में शनिवार रात एक बर्थडे पार्टी के दौरान हुए झगड़े में दो लोगों की मौत हो गई। मरने वालों की पहचान विमल और जगन के रूप में हुई है। दोनों आपस में दोस्त थे और कई आपराधिक मामलों में पुलिस के रिकॉर्ड में दर्ज थे। पार्टी के दौरान दोनों शराब के नशे में थे। इसी बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ, जो धीरे-धीरे हिंसक हो गया। दोनों ने एक-दूसरे पर हमला कर दिया। इस झगड़े में विमल की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि जगन को गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां उसने भी दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही मराइमलाई नगर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस तीन संदिग्धों की तलाश कर रही है, जो झगड़े के बाद मौके से फरार हो गए थे। मामले की जांच जारी है।

रायपुर में ट्रक-ट्रेलर की टक्कर, 13 की मौत

टोल से बचने ड्राइवर ने दूसरा रास्ता पकड़ा; ट्रेलर से 3 फीट बाहर निकला था लोहा

रायपुर। एजेंसी

रायपुर में रविवार देर रात मिनी ट्रक और ट्रेलर की टक्कर में 13 लोगों की मौत हो गई। 14 लोग घायल हुए हैं। ट्रक में सवार ये सभी लोग छठी के कार्यक्रम से लौट रहे थे। ट्रक खरोरा के बाना गांव से आ रहा था। बंगोली में इसे रायपुर से आ रहे ट्रेलर ने टक्कर मार दी।

मृतकों में 10 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल हैं। इनमें एक ही परिवार की 3 महिलाओं का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया, जबकि एक बच्चे को दफनाया गया है। इनमें गीता साहू, प्रभा साहू और नंदनी साहू का अंतिम संस्कार किया गया। एकलव्य साहू (6) को दफनाया गया है। ट्रेलर झारखंड पासिंग है। टोल नाके से बचने के चक्कर में ड्राइवर ने दूसरा रास्ता पकड़ा और हादसा हो गया। हादसा इतना दर्दनाक था कि कई महिलाओं और बच्चों के शरीर के टुकड़े हो गए। मिनी ट्रक में सवार होकर वापस घर लौट रहे थे। इस दौरान ट्रेलर के साइड से करीब 3 फीट बाहर निकले लोहे (हैवी मशीन का हिस्सा) से टक्कर हो गई। बच्चों सहित 14 घायलों का इलाज मेकाहारा में जारी है, सभी खतरे से बाहर हैं। ट्रेलर से टकराने के बाद मिनी ट्रक अनियंत्रित होकर एक अन्य ट्रक के डीजल टैंक के हिस्से में टकराई। जिससे ट्रक में भरा हुआ डीजल सड़क पर पूरी तरह बिखर गया।

शरीर के दो टुकड़े हुए, लाशें सड़क पर बिखरी

कुछ ही सेकंड में मिनी ट्रक एक के बाद एक दो गाड़ियों से टकरा गई। भीषण एक्सीडेंट के बाद उसमें सवार महिलाएं और बच्चे बुरी तरह जख्मी हो गए। इनमें से कई हवा में उछलकर सड़क पर गिर गए। जिससे उनका सिर फट गया और मौत हो गई। कुछ बच्चे और महिलाएं ट्रक के लोहे की बॉडी में टकरा गए।

छठी से लौट रहा था परिवार

रायपुर एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह से मिली जानकारी के मुताबिक, चटोद गांव निवासी पुनीत राम साहू का परिवार और रिश्तेदार बाना गांव में छट्ठी कार्यक्रम से लौट रहे थे। यह सभी मिनी ट्रक में सवार थे। इस दौरान बंगोनी गांव के पास पहुंचे थे। तभी सामने से आ रहे ट्रेलर के ऊपर लोड मशीनरी पार्ट के साइड से निकले लोहे से गाड़ी टकरा गई।

पुलिस ने पीछा कर ट्रेलर चालक को पकड़ा

पुलिस की शुरुआती जांच के मुताबिक, मिनी ट्रक सबसे पहले ट्रेलर के साइड से निकले लोहे के पार्ट से टकराई है। जो ट्रक की बॉडी से करीब 3-3 फीट दोनों तरफ बाहर निकला हुआ था। अंधेरे की वजह से वह दिखा नहीं। ट्रेलर का ड्राइवर अमित कुमार बर्मन है जो पश्चिम सिंहभूम जिला झारखंड का रहने वाला है। ट्रेलर का मालिक भी वही है। एक्सीडेंट के बाद वह मौके से फरार हो गया था लेकिन पुलिस ने पीछा करके उसे पकड़ लिया।

एयरस्ट्राइक पर एयरमार्शल बोले

भय बिनु होय ना प्रीति

सेना ने कहा- आतंकियों के खिलाफ लड़ाई को पाकिस्तानी सेना ने अपना बना लिया

नई दिल्ली। एजेंसी

पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर पर भारतीय सेना ने सोमवार को लगातार दूसरे दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस की। आर्मी से डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, नेवी से वाइस एडमिरल एएन प्रमोद और एयरफोर्स से एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने ऑपरेशन सिंदूर पर 32 मिनट तक फिर जानकारी दी।

एयर मार्शल भारती ने कहा, भय बिनु होय ना प्रीत। हमारी लड़ाई आतंकवादियों के साथ है। हमारी लड़ाई पाकिस्तानी मिलिट्री के साथ नहीं है। पाकिस्तान की सेना ने आतंकियों का साथ दिया, तो हमने उसका जवाब दिया। अपनी सेना के नुकसान के लिए वह खुद जिम्मेदार है। भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई की शाम 5 बजे संघर्ष विराम हुआ था।

आखिरी 15 मिनट में सवालों का जवाब दिया, राष्ट्रकवि रामधारी और रामचरित मानस का चौपाई पढ़ी

सवालः क्या भारत ने किराना हिल्स पर हमला किया है? एयर मार्शल भारती ने कहा, हमें यह बताने के लिए शुक्रिया कि किराना हिल्स में कुछ न्यूक्लियर स्टोरेज हैं। हमें इसके बारे में पता नहीं था। हमने किराना हिल्स पर हमला नहीं किया है। चाहे वहां कुछ भी हो और न ही कल की ब्रीफिंग में हमने ऐसा कुछ बताया था।

सवालः राष्ट्रकवि रामधारी की कविता है, याचना नहीं अब रण होगा, ये प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले दिखाई गई। ये किस तरह का संदेश है। तुर्किये के ड्रोन गिराए गए, क्या कहेंगे?

एयर मार्शल भारतीः मेरे साथी ने बताया कि तुर्किये के ड्रोन थे। दिनकर की कविता से शुरू किया गया। संदेश पर रामचरित मानस याद दिलाऊंगा।

बिनय ना मानत जलधि जड़, गए तीन दिन बीत बोले राम सकोप तब, भय बिनु होय ना प्रीति। बाकी समझदार के लिए इशारा काफी है। तुर्किश ड्रोन हों या कहीं के भी ड्रोन हों, हमने दिखा दिया है कि किसी भी तरह की टेक्नोलॉजी का सामना करने के लिए हम तैयार हैं।

सवालः आप सबूत दे रहे हैं, पाकिस्तान की ओर से कोई सबूत नहीं आ रहा है। अपनी जनता को भ्रम में डाल रहे हैं क्या। लश्कर, जैश के प्रमुखों के रिश्तेदार मारे गए। पाकिस्तानी कह रहे थे कि वे जीवित हैं। क्या हुआ आप बता सकते हैं ?

एयर मार्शल भारतीः वे कोई जानकारी नहीं दे रहे हैं, यह पहले से ही हम सोच रहे थे। वे अपनी जनता को जानकारी नहीं दे रहे हैं। हमारी लड़ाई आतंकवादियों के साथ है। पाकिस्तान कोशिश कर रहा है कि वो अपनी कहानियां बनाए। हमें एक जॉब दी गई, हमने उसे पूरा किया। अगली लड़ाई अलग तरह से लड़ी जाएगी।

- **सबसे पहले एयर मार्शल भारती बोले, कहा- पाक आतंकवादियों के साथ**

कल हमने ऑपरेशन सिंदूर की जॉइंट ऑपरेशन की डिटेल ब्रीफिंग दी थी। हमने कहा था कि हमारी लड़ाई आतंकवादियों के साथ है। हमारी लड़ाई पाकिस्तानी मिलिट्री के साथ नहीं है। पाकिस्तान सेना ने दखलंदाजी की, हमने उसका जवाब दिया। हमारी लड़ाई आतंकवाद और आतंकवादियों के साथ थी, 7 मई को हमने सिर्फ आतंकवादियों पर हमला किया। पाकिस्तानी सेना ने आतंकवादियों का साथ दिया और हमें जवाब देना पड़ा। उन्हें जो नुकसान हुआ उसके लिए पाकिस्तानी सेना जिम्मेदार है।

- **इसके बाद लेफ्टिनेंट जनरल घई बोले, एशेज सीरीज का जिक्र किया**

आज मैं इस युद्ध के अहम पहलू के बारे में बता रहा हूं। हमें एयर डिफेंस ऑपरेशन सिंदूर की कार्रवाई को समझने की आवश्यकता है। मैंने कल बताया था कि पिछले कुछ सालों में आतंक की गतिविधियों के कैरेक्टर में बदलाव आ रहा था। इंटरनेशनल बाउंड्री से रडार, एयर डिफेंस सिस्टम, विटेंज एयर डिफेंस सिस्टम और मॉडर्न एयर डिफेंस सिस्टम की लेयर थी। इसे पारकर हमारी एयरफील्ड को अटैक करना उनके लिए मुश्किल था। 1974 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज खेली गई।

- **इसके बाद वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने ऑपरेशन की जानकारी दी**

वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने बताया, नौसेना सर्विलांस, डिटेक्शन में लगी हुई थी। हमने मल्टीपल सेंसर्स और इनपुट्स दिए। हमने उन खतरों को पहचाना, जिन्हें तुरंत न्यूट्रिलाइज्ड किया जाना था। ड्रोन, हाईस्पीड मिसाइल और एयरक्राफ्ट की जानकारी दी गई, ये एडवांस राडार के जरिए दी गई। हमारे पायलट रात और दिन में ऑपरेट करने के लिए तैयार थे। वाइस एडमिरल प्रमोद ने जैसे ही अपनी बात खत्म की एयर मार्शल एके भारती बोले, मैं यह स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि सभी मिलिट्री बेस, सिस्टम ऑपरेशनल हैं।

पाक ने मंदिर-गुरुद्वारा और दरगाहों को निशाना बनाया : उमर

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच 11 मई (शनिवार) को शाम 5 बजे से सीजफायर लागू हो चुका है। पिछले तीन दिन से तीनों सेनाओं के डायरेक्टर जनरल मिलिट्री ऑपरेशंस ऑपरेशन सिंदूर से जुड़ी जानकारी दे रहे हैं। इस बीच, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि पाकिस्तान ने किसी एक समुदाय को नहीं, बल्कि मंदिरों, गुरुद्वारों और दरगाहों सभी को निशाना बनाया।

वहीं, आर्मी ने एक वीडियो जारी किया है, जिसमें बताया कि कैसे आसमान में दुश्मन को नष्ट किया गया। 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत से अब तक पाकिस्तानी गोलाबारी में 5 आर्मी और 2 बीएसएफ के जवान शहीद हो चुके हैं, 60 घायल हैं।

सीजफायर के 43 घंटे बाद 32 एयरपोर्ट्स खुले

तीन दिन में 500 से ज्यादा फ्लाइट्स रद्द हुई थीं, अब एयरलाइंस ने बुकिंग शुरू की

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर के 43 घंटे बाद सोमवार को 9 राज्यों के 32 एयरपोर्ट्स खोल दिए गए हैं। एयरलाइंस कंपनियों की तरफ से यात्रियों के लिए बुकिंग शुरू कर दी है। 32 एयरपोर्ट्स के लिए एयरलाइन सर्विसेज 9 मई से 15 मई की सुबह 5:29 बजे तक बंद की गई थीं। एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने सोमवार को प्रेस रिलीज के जरिए एयरपोर्ट्स खोलने की जानकारी दी। इसमें बताया कि 15 मई तक बंद 32 एयरपोर्ट्स अब तत्काल प्रभाव से एयरक्राफ्ट ऑपरेशन्स के लिए उपलब्ध हैं। यात्रियों को फ्लाइट्स की जानकारी के लिए एयरलाइन कंपनियों की वेबसाइटों देखने के लिए कहा गया है। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए 7 मई को पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक की थी। पाकिस्तान ने भी बॉर्डर इलाकों में जवाबी हमला किया।

बस का ब्रेक फेल, लेडी डॉक्टर को कुचला

भोपाल में 8 गाड़ियों को मारी टक्कर, 6 घायल

भोपाल। राष्ट्रबाण

भोपाल के बाणगंगा चौराहे पर स्कूल बस ने 8 वाहनों को टक्कर मार दी। हादसे में इंटर्नशिप कर रही लेडी डॉक्टर की मौत हो गई जबकि 6 लोग घायल हैं। दो की हालत गंभीर है। बताया गया है कि बस के ब्रेक फेल होने से हादसा हुआ है। इसका वीडियो भी सामने आया है। हादसे के बाद ड्राइवर मौके से भाग निकला। वीडियो में दिख रहा है कि रेड सिग्नल के दौरान बाणगंगा चौराहे पर गाड़ियां आकर रुकीं। इसी दौरान एक स्कूल बस पीछे से तेज रफ्तार में आई और आगे खड़ी गाड़ियों को कुचलते हुए बढ़ गई। बस के ठीक सामने खड़ी स्कूटी पर बैठी युवती उसकी टक्कर से उछली। वह स्कूटी समेत बस के अगले हिस्से में फंस गई। करीब 50 फीट तक घिसटने के बाद स्कूटी बस के अगले हिस्से से निकली तो युवती अगले पहिए के नीचे आ गई।

कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को कहा अलविदा

बीसीसीआई ने लिखा- थैंक्यू विराट, एक युग का अंत, विरासत जारी रहेगी; बेस्ट फ्रेंड डिविलियर्स बोले- सच्चा लीजेंड

मुंबई। एजेंसी

विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। कोहली ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर लिखा- टेस्ट क्रिकेट ने मेरी परीक्षा ली, मुझे आकार दिया, वो पाठ सिखाए जो जिंदगीभर मुझे याद रहेंगे।

कोहली ने 10 मई को इंस्टाग्राम से कहा था कि मैं टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना चाहता हूं। बोर्ड ने कोहली को अपने फैसले पर फिर विचार करने को कहा था। 11 मई को बोर्ड के एक अधिकारी ने उनसे बात भी की थी।

दिसंबर/जनवरी में ऑस्ट्रेलिया में हुई बॉर्डर- गावस्कर सीरीज में विराट का प्रदर्शन बेहतर नहीं था। उन्होंने इस सीरीज में 23.75 की औसत से रन बनाए थे। वहीं 8 में से 7 बार ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर आउट हुए। बीजीटी में कोहली ने 9 पारियों में 190 रन बनाए। इनमें एक शतक शामिल था। विराट कोहली ने 123 टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने 30 शतक और 31 अर्धशतक बनाए। विराट ने 7 दोहरे शतक लगाए। 2017 और 2018 में वे टेस्ट प्लेयर ऑफ द ईयर चुने गए।

कोहली ने लिखा- टेस्ट ने मेरी परीक्षा ली, जिंदगी के सबक सिखाए

विराट ने लिखा, टेस्ट क्रिकेट में पहली बार मैंने बैगी ब्लू जर्सी 14 साल पहले पहनी थी। ईमानदारी से कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह फॉरमेट मुझे इस तरह के सफर पर ले जाएगा। इसने मेरी परीक्षा ली, मुझे पहचान दी और मुझे ऐसे सबक सिखाए, जिन्हें मैं जीवन भर साथ रखूंगा। सफेद जर्सी में खेलना मेरे लिए बहुत ही खास और निजी अनुभव है। परिश्रम, लंबे दिन, छोटे-छोटे पल जिन्हें कोई नहीं देखता, लेकिन यह हमेशा आपके साथ रहते हैं।

115 प्रतिशत तक घटा टैरिफ; पर एक नया पेच

अमेरिका-चीन के बीच पक्की हुई ट्रेड डील

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमीसन ग्रीर ने कहा कि अमेरिका ने चीनी वस्तुओं पर 145 प्रतिशत शुल्क दर को घटाकर 30 प्रतिशत करने पर जबकि चीन ने अमेरिकी वस्तुओं पर अपनी दर को घटाकर 10 प्रतिशत करने पर सहमति व्यक्त की है।

अमेरिका और चीन ने हाल ही में एक-दूसरे पर लगाए गए भारी शुल्कों को कम करने का फैसला किया है। दोनों देशों के बीच दो दिनों तक चली उच्च-सतरीय वार्ता के बाद आज (सोमवार को) जिनेवा में एक संयुक्त बयान जारी किया गया है, जिसके अनुसार, अमेरिका और चीन एक-दूसरे के उत्पादों पर अस्थायी रूप से यानी 90 दिनों के लिए टैरिफ कम करने पर सहमत हो गए हैं। ताकि व्यापार तनाव को कम किया जा सके और दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को आपसी मतभेद सुलझाने के लिए तीन महीने का वक्त मिल सके।

सोमवार को जारी किए गए बयान के अनुसार, अधिकांश चीनी आयातों पर अमेरिका ने 145त्न टैरिफ को 115 फीसदी घटाकर सिर्फ 30त्न तक लाने का अस्थाई फैसला किया है।इसमें फेंटेनाइल से जुड़ी दर भी शामिल है। चीन भी अमेरिकी वस्तुओं पर लगाए गए 125 प्रतिशत टैरिफ को 115 फीसदी तक घटाकर अब 10 प्रतिशत तक लाने पर सहमत हुआ है। हालांकि, इस डील में पेच यह है कि यह सिर्फ 90 दिनों के लिए ही है।

चर्चा जारी रखने पर भी बनी सहमति

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर ने कहा कि अमेरिका ने चीनी वस्तुओं पर 145 प्रतिशत शुल्क दर को घटाकर 30 प्रतिशत करने पर जबकि चीन ने अमेरिकी वस्तुओं पर अपनी दर को घटाकर 10 प्रतिशत करने पर सहमति व्यक्त की है। ग्रीर और अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने जेनेवा में संवाददाता सम्मेलन में शुल्क कटौती की घोषणा की। दोनों अधिकारियों ने कहा कि दोनों पक्षों ने अपने व्यापार मुद्दों पर चर्चा जारी रखने की रुपरेखा तैयार की है। दो दिन की वार्ता के बाद संवाददाता सम्मेलन में बेसेंट ने कहा कि उच्च शुल्क स्तर से दोनों पक्षों के सामान पर पूरी तरह रोक लग गई ऐसा परिणाम कोई भी पक्ष नहीं चाहता। बेसेंट ने कहा, '' इस सप्ताहांत दोनों प्रतिनिधिमंडलों की आम सहमति यह है कि कोई भी पक्ष अलगाव नहीं चाहता है। इन उच्च उच्च शुल्क से जो हुआ ... वह अवरोध के बराबर था। कोई भी पक्ष ऐसा नहीं चाहता। हम व्यापार चाहते हैं। हम अधिक संतुलित व्यापार चाहते हैं। मुझे लगता है कि दोनों पक्ष इसे हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

संपादकीय

करारा जवाब

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से पाकिस्तान में आतंकवाद को करारा जवाब दिया है। भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। भारत ने स्पष्ट किया कि वह युद्ध नहीं चाहता, पर जवाब देने को तैयार है। सेना ने पाक अधिकृत कश्मीर और पाकिस्तान में नौ आतंकी ठिकाने तबाह किए।

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिये पाकिस्तान में फल-फूल रहे आतंकवाद को सधा और करारा जवाब दिया है। भारतीय कार्रवाई सटीक, संतुलित और गैर-उकसावे वाली थी। इसमें भारतीय फौज ने सिर्फ आतंकी ठिकानों को टारगेट किया। इस ऑपरेशन के जरिये भारत ने फिर यह संदेश दिया है कि वह युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर कोई उसकी तरफ आंख उठाकर देखेगा तो उसे जवाब देने से भी नहीं हिचकेगा।

आतंकी कैंप तबाह: भारतीय सेना ने पाक अधिकृत कश्मीर और पाकिस्तान में कुल नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। इन जगहों का इस्तेमाल लश्कर-ए-तैयबा और दूसरे आतंकी संगठन कर रहे थे। यहीं पर आतंकवादियों को ट्रेनिंग दी गई, जिन्होंने भारत में कई कायराना वारदातों को अंजाम दिया। पाकिस्तान को बार-बार इनके बारे में जानकारी दी गई, लेकिन कोई कदम उठाने के बजाय वह इनकी मौजूदगी को ही नकारता रहा। उसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की अपीलों पर भी ध्यान नहीं दिया बल्कि अब तो यह भी साफ है कि भारत पर और हमले करने की साजिश रची जा रही थी।

सबसे बड़ी कार्रवाई: 2016 और 2019 में भी भारतीय फौज ने आतंकवादी हमलों के जवाब में क्रमशः सर्जिकल स्ट्राइक और टेरर लॉन्च पैड को निशाना बनाया था। ऑपरेशन सिंदूर 2019 की कार्रवाई से कहीं बड़ी है। इसमें बड़े इलाके में फैले आतंकी इन्फ्रा को टारगेट किया गया, जो अंतरराष्ट्रीय सीमा से करीब 100 किलोमीटर अंदर थे।

खराब रेकॉर्ड: पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर पूरा देश गुस्से में था। उनका मकसद भारत में सांप्रदायिक तनाव फैलाना था। इसे लेकर कश्मीर सहित देश भर में आक्रोश था और भारत की तरफ से जवाब भी लाजिमी था। दरअसल, पड़ोसी देश की दिलचस्पी इन आतंकवादियों को सजा दिलाने में भारत की मदद करने की नहीं थी। सचाई तो यही है कि बरसों से वह आतंक को प्रश्रय देता आया है और उसकी खुफिया एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढ की शह पर भारत में कई आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दिया गया।

गलती नहीं सुधारी: ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सेना ने हर लक्ष्य का चयन विश्वसनीय इंटेलिजेंस सूचनाओं के आधार पर किया। पहलगाम के 15 दिनों बाद जवाब दिया गया यानी पाकिस्तान को अपनी गलती सुधारने और अपनी जमीन पर पल रहे आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई का पूरा मौका दिया गया।

युद्ध की धमकी: पाकिस्तान ने भारतीय कार्रवाई को एक्ट ऑफ वॉर बताया है और कहा है कि उसे जवाब देने का अधिकार है। उसकी तरफ से झूठे प्रचार का युद्ध शुरू हो चुका है। उसकी मंशा संघर्ष बढ़ाने वाली लगती है।

इसमें कोई दोराय नहीं कि युद्ध किसी भी समस्या का स्थायी हल नहीं है। विडंबना यह है कि कई बार किसी एक पक्ष की द्वेषपूर्ण जिद की वजह से दूसरे को मजबूरन और आखिरी विकल्प के रूप में अपने बचाव में ठोस कदम उठाने पड़ते हैं।

जंग के मुहाने से लौटे भारत-पाकिस्तान, क्या संघर्ष विराम से शांति की उम्मीद

भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले कुछ दिनों से जिस तरह युद्ध के हालात बने हुए थे, उसमें यह आशंका गहरी हो रही थी कि कहीं यह ज्यादा जटिल शक्ल न अख्तियार कर ले। खासतौर पर पाकिस्तान की ओर से जिस तरह की प्रतिक्रिया देखी जा रही थी, उसमें ऐसा लग रहा था कि उसे भारत की ओर से आतंकी ठिकानों को निशाना बनाए जाने से परेशानी है और इसी वजह से वह एक दिशाहीन टकराव की ओर बढ़ रहा है। मगर शनिवार को जिस तरह भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम के लिए सहमति बनने की खबर आई, उससे शांति के लिए एक सकारात्मक उम्मीद बंधी है।

पाकिस्तान ने शुरू से अपरिपक्वता का परिचय दिया

दरअसल, भारत की मंशा पहले भी सिर्फ इतनी ही रही कि उसने बेलगाम आतंकियों को सबक सिखाने के लिए एक 'नपी-तुली और नियंत्रित' प्रतिक्रिया का रास्ता अपनाया था, वह भी उन्हें काबू में करने के लगभग सारे विकल्प खत्म हो जाने के बाद। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने आतंकी ठिकानों को निशाना बनाए जाने को अपने ऊपर हमला माना और जवाब में जिस तरह की कार्रवाई शुरू कर दी, उसमें नाहक हड़बड़ी और अपरिपक्वता दिख रही थी। मगर इससे स्थिति बिगड़ जाने की आशंका खड़ी हो गई थी।

हालांकि इस बीच भारत ने कूटनीतिक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय राजनीति में प्रभाव रखने वाले देशों के सामने समूची स्थिति स्पष्ट तौर पर रखी और इस संघर्ष में पाकिस्तान की भूमिका को भी रेखांकित किया। यह आतंकियों के खिलाफ प्रत्यक्ष कार्रवाई से लेकर कूटनीति के मोर्चे पर बहुस्तरीय घेरा था, जिसका दबाव पाकिस्तान साफ महसूस कर रहा था। शायद यही वजह है कि अमेरिकी मध्यस्थता के बाद पाकिस्तान के सैन्य संचालन महानिदेशक यानी डीजीएमओ की ओर से भारत के डीजीएमओ को फोन आया और दोनों पक्षों के बीच सहमति बनी कि शनिवार को शाम पांच बजे से जमीन, हवा और समुद्र में सभी तरह की गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई बंद कर देंगे।

जाहिर है, गंभीर शक्ल लेने की ओर बढ़ते टकराव के बीच पूर्ण और तत्काल संघर्ष विराम की घोषणा शांति की राह तलाशने के लिहाज से एक जरूरी पहलकदमी है और इस पर पाकिस्तान को पहले ही गौर करना चाहिए था। मगर कई बार किसी मसले को इस रूप में भी देखा जाता है कि अगर अंत में सब ठीक कर लिया गया तो वही रास्ता सही है।

इसमें कोई दोराय नहीं कि युद्ध किसी भी समस्या का स्थायी हल नहीं है। विडंबना यह है कि कई बार किसी एक पक्ष की द्वेषपूर्ण जिद की वजह से दूसरे को मजबूरन और आखिरी विकल्प के रूप में अपने बचाव में ठोस कदम उठाने पड़ते हैं। पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत के सामने यही विकल्प बचा था कि वह आतंकियों की लगातार ऐसी हरकतों को रोकने के लिए एक बड़ी कार्रवाई करे और उन्हें संरक्षण और शह देने वाले ठिकानों को निशाना बनाए। दूसरी ओर, पाकिस्तान ने जो रवैया अपनाया हुआ था, उससे कई बार ऐसा लग भी रहा था कि वह नाहक ही हालात को उलझाने में लगा हुआ है।

अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि भारत की संयमित प्रतिक्रिया के बदले में पाकिस्तान ने भारतीय इलाकों में न केवल बेलगाम गोलीबारी शुरू कर दी, बल्कि इस बात का भी खयाल नहीं रखा कि इसका शिकार आम नागरिक हो रहे हैं। एक ओर भारत की कार्रवाई आतंकियों के खिलाफ थी, तो वहीं पाकिस्तान की गोलीबारी में पहले दिन दो बच्चों सहित कई लोगों की जान चली गई। फिलहाल भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम ने पाकिस्तान के लिए एक मौका मुहैया कराया है कि वह आतंकवादी संगठनों को संरक्षण देने के रुख पर विचार करे और क्षेत्रीय शांति की दिशा में ठोस योगदान दे।

आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक के पैसे से आतंकवाद को पाल पोस रहा पाकिस्तान

पाकिस्तान विगत तीन दशकों से भी अधिक समय से कर्ज के नाम पर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और अन्य वैश्विक वित्तीय संस्थाओं से अरबों रुपए की राशि ले चुका है। बावजूद इसके न तो इस उसकी सूरत बदली न सीरत। आखिर इतनी बड़ी राशि कहां जाती है, यह किसी को नहीं मालूम। दूसरी ओर, आतंकवाद जैसी वैश्विक समस्या और उसके वित्त पोषण को लेकर उसका रवैया हमेशा ही संदिग्ध रहा है। विडंबना यह है कि जिस समय पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच टकराव की स्थिति बनी थी, वैसे समय में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने पाकिस्तान को करीब बारह हजार करोड़ रुपए का नया ऋण दे दिया।

पाकिस्तान को लेकर भारत की चिंता स्वाभाविक है

इस नाजुक समय में आइएमएफ के इस फैसले पर भारत ने स्वाभाविक ही चिंता जताते हुए कहा कि इसका इस्तेमाल पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद फैलाने के लिए करता है। पाकिस्तान में कृषि से लेकर अर्थव्यवस्था तक चौपट हो चुकी है। विकास की रोशनी दिखाई नहीं देती। एशियाई विकास बैंक और विश्व बैंक से भी कर्ज लेने के बावजूद पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था सुस्त है। तब मुद्रा कोष को क्यों नहीं यह सवाल करना चाहिए कि उसका दिया पैसा आखिर किस मद में जाता है?

यह जगजाहिर है कि पाकिस्तान विकास की राह पर चलने के बजाय अपना सैन्य खर्च लगातार बढ़ा रहा है। वहीं उसने सीमापार आतंकवाद फैलाने और अपने यहां आतंकवादियों को पालने-पोसने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से मिलने वाले कर्ज की कोई कसौटी नहीं है। इसकी क्या गारंटी है कि मुद्रा कोष से मिली राशि का उपयोग पाकिस्तान अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने और आतंकवादियों को संरक्षण देने में नहीं करेगा।

व्यापार

सीजफायर के बाद सरकार ने किया बड़ा ऐलान, रॉकेट बन गए ये शेयर, खरीदने की लूट

सरकार ने जम्मू-कश्मीर और पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों सहित 32 हवाई अड्डों पर परिचालन की अनुमति दे दी, जिन्हें पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष के कारण अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था।

एविएशन कंपनी के शेयर में आज सोमवार को तूफानी तेजी देखी जा रही है। एयर इंडिया, इंडिगो से लेकर स्पाइसजेट समेत एविएशन कंपनी के शेयर में तूफानी तेजी है। दरअसल, भारत और पाकिस्तान ने बीते शनिवार को सीजफायर का ऐलान किया। इसके बाद आज सरकार ने जम्मू-कश्मीर और पंजाब के सीमावर्ती क्षेत्रों सहित 32 हवाई अड्डों पर परिचालन की अनुमति दे दी, जिन्हें पाकिस्तान के साथ सैन्य संघर्ष के कारण अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। दोनों देशों द्वारा सैन्य गतिविधियों को बंद करने पर सहमति जताने के दो दिन बाद ही नोटिस टू एयरमेन जारी किया गया। इसके बाद इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो) और स्पाइसजेट के शेयरों में 10प्रतिशत की तेजी देखी गई। इंडिगो के शेयर कारोबार के दौरान 5,485 रुपये पर पहुंच गए थे। वहीं, स्पाइसजेट के शेयर 46.61 रुपये तक पहुंच गए।

एएआई का ऐलान

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने सोमवार को घोषणा की कि भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव के मद्देनजर पिछले सप्ताह अस्थायी रूप से बंद किए गए 32 हवाई अड्डों पर नागरिक उड़ान परिचालन फिर से शुरू होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति के कारण श्रीनगर और अमृतसर सहित उत्तर तथा पश्चिमी भारत के 32 हवाई अड्डों से नागरिक उड़ान परिचालन नौ मई से 15 मई तक निलंबित कर दिया गया था। सोमवार को एक बयान में, सरकारी स्वामित्व वाले एएआई ने कहा कि 32 हवाई अड्डे जो 15 मई को 05.29 बजे तक नागरिक विमान परिचालन के लिए बंद कर दिए गए थे।

एयर इंडिया ने क्या कहा?

हवाई अड्डों को फिर से खोलने के बारे में विमानन अधिकारियों की अधिसूचना के बाद, एयर इंडिया जम्मू, श्रीनगर, लेह, जोधपुर, अमृतसर, भुज, जामनगर, चंडीगढ़ और राजकोट के लिए उड़ानें शुरू करने की दिशा में काम कर रही है। इस समय हम आपकी समझदारी की सराहना करते हैं, क्योंकि हमारी टीमें इन हवाई अड्डों पर परिचालन को सामान्य बनाने के लिए काम कर रही हैं। कृपया आगे की अपडेट के लिए बने रहें। अधिक जानकारी के लिए, कृपया हमारे संपर्क केंद्र पर 011-69329333 / 011-69329999 पर कॉल करें या हमारी वेबसाइट http://airindia.com पर जाएं।

5 साल में करीब 650 प्रतिशत चढ़ा भाव

अब कंपनी के हाथ लगी बड़ी सफलता, 50 रुपये से कम भाव

राठी स्टील एंड पावर के शेयरों की कीमतों में 9 प्रतिशत से अधिक की उछाल देखने को मिली। 50 रुपये से कम की कीमत वाले इस स्टॉक का भाव बढ़ने की वजह एक सर्टिफिकेट मिलना है।

आज राठी स्टील एंड पावर के शेयरों की कीमतों में 9 प्रतिशत से अधिक की उछाल देखने को मिली। 50 रुपये से कम की कीमत वाले इस स्टॉक का भाव बढ़ने की वजह एक सर्टिफिकेट मिलना है। कंपनी ने बताया है कि उन्हें ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (क्व्हुस) से एक महत्वपूर्ण सर्टिफिकेट मिला है। यह सर्टिफिकेट मिलना कंपनी के इंफ्रास्ट्रक्चर स्पेस में बड़ी मदद करेगा।

बीएसई में सोमवार को कंपनी के शेयर 29.45 रुपये के लेवल पर खुले थे। लेकिन 9 प्रतिशत से अधिक की उछाल के बाद ये बीएसई में 30.65 रुपये के लेवल पर पहुंच गए। 2.27 मिनट पर स्टॉक 29.99 रुपये के लेवल पर ट्रेड कर रहा था।

52 वीक हाई से 60 प्रतिशत सस्ता हुआ है शेयर

इस तेजी के बाद भी राठी स्टील एंड पावर लिमिटेड के शेयर अपने 52 वीक हाई 97.81 रुपये के लेवल से 60 प्रतिशत नीचे हैं। इस 52 वीक हाई के स्तर पर कंपनी के शेयर जुलाई 2024 में पहुंच गए थे। बता दें, राठी स्टील एंड पावर लिमिटेड का 52 वकी लो लेवल 24.50 रुपये है।

5 साल में 650 प्रतिशत चढ़ा शेयर

यह साल कंपनी के निवेशकों के लिए काफी उतार और चढ़ाव भरा रहा है। मई में अबतक यह स्टॉक 2 प्रतिशत की गिरावट के साथ ट्रेड कर रहा है। वहीं, अप्रैल के महीने में कंपनी के शेयरों का भाव 7.5 प्रतिशत गिरा था। हालांकि, इससे पहले मार्च के महीने में यह स्मॉल कैप स्टॉक 25 प्रतिशत चढ़ गया था। जिसकी वजह से 8 महीने से चले आ रहे गिरावट के दौर पर ब्रेक लग गया था। बता दें, बीते 5 साल में कंपनी ने पोजीशनल निवेशकों को करीब 650 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। 2011 के बाद कंपनी ने निवेशकों को डिविडेंड नहीं दिया है। आखिरी बार कंपनी की तरप से 0.30 रुपये का डिविडेंड दिया गया था। कंपनी का मार्केट कैप 255.19 करोड़ रुपये का है।

सुस्त पड़े शेयरों में आई जान, 20प्रतिशत उछला शेयर

एक तरफ शेयर बाजार में तूफानी तेजी देखने को मिल रही है। दूसरी तरफ बिरला कॉरपोरेशन के शेयरों में अपर सर्किट लगा है। कंपनी के शेयरों का भाव 20 प्रतिशत की उछाल के बाद 1270 रुपये के लेवल पर बीएसई में पहुंच गया। कंपनी के शेयरों में उछाल के पीछे की वजह तिमाही नतीजों को माना जा रहा है। कंपनी ने शेयर बाजारों के साथ मार्च तिमाही के प्रदर्शन को साझा किया है।

चौथी तिमाही में कितना हुआ प्रॉफिट?

बिरला कॉरपोरेशन की तरफ से तरफ से दी जानकारी में बताया गया है कि बीते वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में कुल नेट प्रॉफिट 257 करोड़ रुपये रहा था। जोकि सालाना आधार पर 33 प्रतिशत बढ़ा है। कंपनी का रेवन्यू मार्च तिमाही में 7 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 2863 करोड़ रुपये रहा है। प्रति टन श्वक्कुअष्ठ 1014 करोड़ रुपये रहा है। जोकि सालाना आधार पर 5 प्रतिशत की बढ़ोतरी को दर्शाता है। सीमेंट डिविजन का प्रॉफिट मार्जिन भी बेहतर हुआ है। चौथी तिमाही में बढ़कर 20 प्रतिशत पहुंच गया। जोकि एक साल पहले इसी तिमाही में 18.60 प्रतिशत था।

पूरे फाइनेंशियल ईयर में कैसा रहा प्रदर्शन

भले ही चौथी तिमाही में कंपनी ने शानदार प्रदर्शन किया हो। लेकिन इसके बाद भी पूरे वित्त वर्ष में 295 करोड़ रुपये का प्रॉफिट ही बिरला कॉरपोरेशन ने बनाया है। जोकि वित्त वर्ष 2024 की तुलना में 30 प्रतिशत कम है। मार्च तिमाही के अंततक कंपनी के ऊपर कर्ज घटकर 2244 करोड़ रुपये रहा गया था। बीते 3 महीने के दौरान Birla Corporation के शेयरों की कीमतों में 23 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली है। वहीं, 6 महीने में स्टॉक का भाव 14 प्रतिशत बढ़ा है। एक साल में करीब 13 प्रतिशत टूटा है।

ड्रोन वाली कंपनी के शेयर 3 दिन में 37 प्रतिशत उछले, 500 रुपये पहुंच गया शेयर का दाम

ड्रोन बनाने वाली कंपनी आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी के शेयर सोमवार को 7प्रतिशत से अधिक उछलकर 500 रुपये पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयरों 3 दिन में 37 पर्सेंट से अधिक का उछाल देखने को मिला है।

ड्रोन बनाने वाली कंपनी आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी के शेयरों में लगातार तूफानी तेजी देखने को मिल रही है। ड्रोन कंपनी के शेयर 3 दिन में 37 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। कंपनी के शेयर सोमवार को क्व्स्थ में 7 पर्सेंट से ज्यादा चढ़कर 500 रुपये पर पहुंच गए। आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 864.10 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 301 रुपये है। आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी का मार्केट कैप 2070 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है।

3 दिन में 37प्रतिशत से अधिक उछल गए ड्रोन कंपनी के शेयर

आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी के शेयर पिछले तीन ट्रेडिंग सेशंस में 37 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। ड्रोन कंपनी के शेयर 7 मई 2025 को 359.20 रुपये पर बंद हुए थे। कंपनी के शेयर 12 मई 2025 को 500 रुपये पर जा पहुंचे हैं। अगर पिछले एक साल की बात करें तो कंपनी के शेयरों में 23 पर्सेंट से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। वहीं, इस साल अब तक ड्रोन कंपनी के शेयर 20 पर्सेंट के करीब टूट गए हैं। जनवरी-मार्च 2025 तिमाही में आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी को 25.7 करोड़ रुपये का घाटा हुआ है। रेवेन्यू में तेज गिरावट की वजह से कंपनी को यह घाटा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी को 10.3 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट हुआ था।

672 रुपये था आईपीओ में शेयर का दाम

आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी के आईपीओ में शेयर का दाम 672 रुपये था। कंपनी का आईपीओ दांव लगाने के लिए 26 जून 2023 को खुला था और यह 30 जून 2023 तक ओपन रहा। ड्रोन कंपनी के शेयर 7 जुलाई 2023 को बीएसई में 1305.10 रुपये पर लिस्ट हुए थे। आइडियाफोर्ज टेक्नोलॉजी का आईपीओ टोटल 106.06 गुना सब्सक्राइब हुआ था। आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स का कोटा 85.2 गुना सब्सक्राइब हुआ। वहीं, नॉन-इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स कैटेगरी में 80.58 गुना दांव लगा था, जबकि क्वॉलीफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स कैटेगरी में 125.81 गुना सब्सक्रिप्शन मिला।

राष्ट्रबाण
सिवनी, मंगलवार 13 मई 2025

बालाघाट राष्ट्रबाण

● बैहर ● बिरसा ● कटंगी ● तिरोड़ी ● कटंगी ● खैरलांजी ● किरनापुर ● लालबर्रा ● लांजी ● परसवाड़ा ● वारासिवनी

तीन-चार दिनों की लड़ाई में हमारी सेना ने दुश्मनों की हालात खस्ता की: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

- बोर्ड परीक्षाओं में प्रदेश में टॉप करने वाले बालाघाट के 17 विद्यार्थियों का सम्मान
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 169 करोड़ के विकास कार्यो का किया लोकार्पण भूमिपूजन

- देश की सीमा पर ही नहीं आंतरिक सुरक्षा में भी जवानों का साहस गौरवांवित किया
- देश में अब हर मोर्चे पर दुश्मनों को मुंहतोड़ जवाब मिल रहा हैं
- प्रदेश में सबसे बड़ा पदोन्नति कार्यक्रम नक्सल प्रभावित क्षेत्र में आयोजित हुआ
- 64 सुरक्षा जवानों को मिली क्रम से पूर्व पदोन्नति

बालाघाट । राष्ट्रबाण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज हमारे देश की सीमा और अंतरिक सुरक्षा सबसे सुरक्षित हाथों में है, जिसका परिणाम दुनिया ने अभी-अभी ही देखा है। दुनिया ने देखा कि हमने 3 से 4 दिनों की लड़ाई में ही दुश्मनों के हालात खस्ता की है। देश की सीमा पर जो हुआ है वो सब हम देशवासियों के लिए बड़ा ही गौरवशाली क्षण रहा है। इसके अलावा बालाघाट में सुरक्षा जवानों ने भी आंतरिक सुरक्षा में जो कर दिखाया है वो प्रदेश का साहस बढ़ा रहा है। प्रदेश की आंतरिक सुरक्षा जवानों का अदम्य साहस और वीरता दिखाई देती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने हॉक फोर्स, सीआरपीएफ और जिला पुलिस का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि प्रदेश में सबसे अधिक नक्सली बालाघाट की धरती पर ही मारे गए है। सीआरपीएफ, हॉक फोर्स और मप्र पुलिस जवानों के साहस के बल पर ही प्रदेश के 12 जिले जो नक्सल प्रभावित थे। आज बालाघाट मंडला और डिंडोरी में ही सीमित कर दिया है। इस बीच अभी भारत सरकार की रिपोर्ट में भी बालाघाट में नक्सल गतिविधियों पर नकेल कसने में सफलता मिली है। सीधी बात है आंतरिक सुरक्षा में जवान मुंहतोड़ जवाब दे रहें है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने बालाघाट जिले के लांजी में 64 सुरक्षा जवानों के क्रम से पूर्व पदोन्नति कार्यक्रम में कहीं।

खनिज का सम्राट है बालाघाट जिला - सीएम डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि बालाघाट जिले कोई आम जिला नहीं है बल्कि यह तो खनिज का सम्राट है। यहाँ पर पीले सोने के रूप में मौजूद सुप्रसिद्ध तांबे की खदान, काले सोने के रूप में मैंगनीज तथा तरल सोने के रूप में जल संपदा की भरपूर उपलब्धि मौजूद है। इसके साथ ही सफेद सोने के रूप बालाघाट का चिन्नौर चावल भी अब विश्व विख्यात होते जा रहा है।

लगभग 70 करोड़ की लागत से बनेगा आयुर्वेदिक कॉलेज

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बालाघाट में लगभग 70 करोड़ की लागत से निर्मित आयुर्वेदिक कॉलेज सौगात भूमिपूजन कर दी है। उन्होंने कहा कि यहाँ न केवल मरीजो का इलाज होगा बल्कि आयुर्वेद के डॉक्टर भी अपनी पढ़ाई पूरी करके समाज सेवा के संकल्प लेंगे। यहाँ नर्सिंग, पैरामेडिकल व अन्य कोर्स भी सम्पन्न होंगे तथा युवाओं को चिकित्सा क्षेत्र में एक नया अवसर प्रदान होगा। आज की स्थिति में 50 मेडिकल कॉलेज उपलब्ध है, और बालाघाट जिले में अब 51वाँ मेडिकल कॉलेज खोला जाएगा। इसके बाद 11 और आयुर्वेद के मेडिकल कॉलेज और खोले जाएंगे।

नक्सल उन्मूलन और क्षेत्र विकास के लिए जो जरूरत होगी पूरी की जाएगी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने सम्बोधन में इन बात पर जोर देते हुए कहा कि भारत सरकार के मिशन 2026 को पूरा करने के लिए कृत संकल्पित है। नक्सल उन्मूलन और नक्सल क्षेत्र विकास के लिए जो जरूरत होगी पूरा किया जाएगा। अभी यह 246 किमी.की सड़कें बनाई गई है और 120 किमी की सड़कें निर्माणाधीन है। साथ ही 27 हाई लेवल ब्रीज बन चुके है और नेटवर्क का कार्य तेज गति से बढ़ रहा है। यहां 34 नेटवर्क के टॉवर 4 जी के साथ प्रारम्भ हुए है। इएके अलावा बालाघाट में ही पूरे देश में पीएम जनमन योजना में बनने वाली पहली सड़क भी बनकर तैयार हुई है। वहीं 260 बैगा बसाहटों में बिना छत वाले मकानों को पक्की छत देने का कार्य तेजी से हो रहा है।

नक्सलियों सरेंडर करो, नहीं तो मार दिए जाओगे

लाल सलाम वालों को जीने का हक नहीं; 64 पुलिसकर्मियों को आउट ऑफ टर्न प्रमोशन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नक्सलियों को खुली चेतावनी देते हुए कहा है कि सरेंडर हो जाओ, नहीं तो मार दिए जाओगे। उन्होंने कहा कि अन्याय करने वाले, अनावश्यक रूप से लोगों का खून बहाने वाले और लाल सलाम करने वालों को जीने का हक नहीं देंगे। आपको इस धरती पर जीने का हक नहीं देने वाले।

- देश के अग्रणी राज्यो में एक है मध्यप्रदेश - मंत्री उदय प्रताप सिंह

परिवहन व स्कूल शिक्षा विभाग मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह अपने उद्बोधन में कहा कि मप्र सरकार की मंशा न केवल सरकारी कर्मचारियों को लाभ प्रदाय करना है अपितु आदिवासी अंचल तक भी शासन की योजनाओं का लाभ प्रदाय करवाना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में आज मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में से एक कि श्रेणी में उभर रहा है।

- सुरक्षा में बहुत बड़ी समस्या है नक्सलवाद - पुलिस महानिदेशक

कार्यक्रम के दौरान मप्र पुलिस के महानिदेशक कैलाश मकवाना ने कहा कि देश की आंतरिक सुरक्षा में नक्सलवाद एक बहुत बड़ी समस्या है। जिसका उन्मूलन मार्च 2026 तक करने का केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित साह का संकल्प है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में एंटी नक्सल ऑपरेशन में तीव्र गति आयी है।

- नक्सलवाद के खात्मे को लेकर कृत संकल्पित है बालाघाट - एसपी सिंह

कार्यक्रम के दौरान एसपी नगेन्द्र सिंह ने स्वागत संबोधन में कहा कि जिले की हॉक फोर्स, सीआरपीएफ और जिला बल सभी टीमें कृत संकल्प होकर मिशन 2026 के नक्सलवाद के समूल खात्मे को लेकर संकल्पित होकर कार्य रहीं है। एसपी श्री सिंह ने कहा कि जवान जिन परिस्थितियों में नक्सलियों के साथ लोहा लेते है उसकी परिकल्पना नहीं की जा सकती है।

पुरानी जल संरचनाओं के जीर्णोद्धार में जनता प्रशासन को अवगत कराएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत कुओं, बावड़ी व तालाबो के जीर्णोद्धार के लिए कोई भी नागरिक प्रशासन को अवगत करा सकता है। कार्यक्रम के दौरान सांसद श्रीमती भारती पारधी, लांजी विधायक राजकुमार कर्राहे, कटंगी विधायक गौरव पारधी, परसवाड़ा विधायक मधुभगत, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राट सरस्वार, पूर्व मंत्री रामकिशोर कावरे, नपा अध्यक्ष श्रीमती भारती ठाकुर, नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेखा ताराचंद कालबेले पूर्व विधायक प्रदीप जायसवाल, रमेश भटेरे, जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजा लिल्हारे मौजूद रहे। वहीं अधिकारियों में आईजी संजय सिंह, एएसपी विजय डावर, एएसपी नक्सल आदर्श कांत, कलेक्टर मृणाल मीना, जिपं सीईओ अभिषेक सराफ, एडीएम जीएस धुर्वे, एसडीएम बालाघाट गोपाल सोनी, एसडीएम लांजी कमलचंद सिंहसार, एसडीएम किरनापुर श्री कार्तिकेय व अन्य अधिकारियों की उपस्थिति रहीं।

- सीएम ने नक्सलियों को लेकर कहा कि हमारे भोले-भाले लोगों के बीच आप भ्रम फैलाते हो, झूठ बोलते हो। कायराना हरकत करते हो, ऐसे लोगों से निपटने में सरकार सक्षम है। पुलिस बल की मदद से समाज अब सामने खड़ा हो रहा है। जहां जरूरी होगा, वहां कार्यक्रम करेंगे। छत्तीसगढ़ और मध्यप्रदेश सरकार अभियान चला रही है। बता दें कि सीएम डॉ. मोहन यादव सोमवार को बालाघाट में क्रम-से-पूर्व पदोन्नति अलंकरण समारोह में शामिल हुए।

बिना सुई चुभाए शुगर लेवल का पता चलेगा

बालाघाट की छात्रा ने बनाई अनोखी डिवाइस; इंसेक्ट डिटेक्टर बताएगा सब्जी में कीड़े हैं या नहीं

बालाघाट । राष्ट्रबाण

शुगर की जांच के लिए खून की कुछ बूंदें चाहिए होती हैं, लेकिन आने वाले कुछ समय में यह जरूरी नहीं होगी। मरीज को सिर्फ एक डिवाइस में फूंक मार कर पता चल जाएगा कि शरीर में शुगर लेवल क्या है? एमपी के बालाघाट की छात्रा ने एक ऐसी डिवाइस बनाई है, जो बिना सुई चुभाए सिर्फ सांस के जरिए शरीर में शुगर लेवल बताती है। छात्रा ने इसका नाम शुगर ब्रीथ एसीटोन 3.0 रखा है।

शुगर ब्रीथ एसीटोन 3.0 कैसे काम करती है?

बालाघाट के जेएसटी पीजी कॉलेज की स्टूडेंट अभिलाषा की यह डिवाइस सांस में मौजूद किटोन बॉडीज का विश्लेषण करती है, जो शुगर लेवल बढ़ने पर शरीर में अधिक मात्रा में बनने लगती है। मरीज जब डिवाइस में फूंकता है, तो यह तीन श्रेणियों में रीडिंग दिखाती है।

लो: शुगर लेवल कम है।

मॉडरेट: शुगर लेवल सामान्य है।

हाई: शुगर लेवल अधिक है, डायबिटीज का संकेत हो सकता है।

अभिलाषा का कहना है कि यह डिवाइस खास तौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी है जिन्हें सुई से डर लगता है, जिसके कारण वे ब्लड शुगर की नियमित जांच नहीं कर पाते। यही लापरवाही अक्सर बीमारी को गंभीर बना देती है।

दरअसल, भोपाल के राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सृजन-2025 कार्यक्रम चल रहा है। जिसमें 1627 नवाचारों में से चुने गए टॉप 150 इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स की प्रदर्शनी लगी है। एक डिवाइस तो ऐसी है जो फल-सब्जियों में छिपे कीड़ों और खतरनाक रसायनों की पहचान करती है। इसके अलावा दृष्टिहीनों की राह आसान बनाने के लिए अल्ट्रासोनिक छड़ी तैयार की है जो आंखों की तरह मार्गदर्शन करती है।

प्राचीन राममंदिर परिसर में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया लोकार्पण

300 वर्ष पुरानी बावड़ी के जीर्णोद्धार कार्य का हुआ लोकार्पण

बालाघाट । राष्ट्रबाण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जिले के विकासखंड लांजी में प्राचीन राममंदिर परिसर स्थित लगभग 300 वर्ष पुरानी ऐतिहासिक बावड़ी के जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विधिवत पूजा-अर्चना कर बावड़ी परिसर की ऐतिहासिक महत्ता को नमन किया तथा परिसर में पहुंचकर बावड़ी का अवलोकन भी किया। जिला प्रशासन द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत श्रमदान कर बावड़ी का जीर्णोद्धार कराया गया है।

उल्लेखनीय है कि यह ऐतिहासिक बावड़ी 17 वीं से 18वीं शताब्दी के मध्य गोंड शासक श्री हट्टेसिंह वल्के द्वारा निर्मित कराई गई थी। पत्थरों की सीढ़ियाँ और 12 इंची ईंटों से निर्मित यह बावड़ी लंबे समय से राममंदिर से जुड़ी धार्मिक गतिविधियों तथा पूर्व में किले के सैनिकों और श्रद्धालुओं के पेयजल का प्रमुख स्रोत रही है। इस दौरान सांसद श्रीमती भारती पारधी, लांजी विधायक श्री राजकुमार कर्राहे, कटंगी विधायक श्री गौरव पारधी, कलेक्टर श्री मृणाल मीना, एसपी श्री नगेन्द्र सिंह, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक सराफ सहित अन्य अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

राष्ट्रबाण
सिवनी, मंगलवार 13 मई 2025

सिवनी-बैतूल राष्ट्रबाण

• बरघाट • छपारा • धनोरा • घंसौर • केवलारी • कुरई • लखनादौन • सिवनी ग्रामीण • मुलताई • बैतूल बाजार • आमला • भैंसादंड • सारणी • बोरदई • आठनेर

अतिक्रमण हटने के बाद पुनः कब्जा

प्रशासन को सख्ती की जरूरत, बराबर हो रहा अतिक्रमण से बिगड़ती है यातायात और शहर की सुंदरता

सिवनी। राष्ट्रबाण

जिला मुख्यालय स्थित शासकीय जमीन से दो माह पूर्व ही प्रशासन ने मुहिम चलाकर अतिक्रमण हटाया कर रोड चौड़ीकरण करने का कार्य किया जा रहा था। इसके बाद प्रशासन ने जबलपुर रोड से लेकर छिंदवाड़ा चौक तक अतिक्रमण वाली जगह को चिन्हित कर निशान लगाया था। लेकिन देखने में आया कि मुहिम वाली कार्यवाही सिर्फ चुनिंदा जगह पर ही गई थी। बाकी जगह अतिक्रमण हटाने की औपचारिकता पूरी की गई थी।

गौरतलब है कि मार्च महीने में कलेक्टर के निर्देश पर शहर के मुख्य मार्ग जबलपुर नागपुर रोड पर मुख्यता से अतिक्रमण मुहिम चलाई गई थी। इसमें शासकीय निस्तार भूमि से लेकर अन्य शासकीय मदो की भूमि से अतिक्रमण हटाया गया था। इससे नगरवासी ने राहत महसूस की थी। इसके बाद लगातार कार्यवाही नहीं होने से उक्त स्थानों पर फिर से लोगों ने द्वारा कब्जा करना शुरु कर दिया। इससे शासकीय जमीन का रकबा दिन प्रतिदिन घटता जा रहा है। इस कारण नगरवासी अभी भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

नोटिस तक सीमित रहता है अतिक्रमण

अतिक्रमण को देखते हुए प्रशासन के ऊपर एक कहावत सटीक बैठती है ÷अक्सर गरीब ही पिसता है÷ वैसे ही जिला प्रशासन ने किया। गरीबों का आशियाना पल भर में ही मिटा दिया और वहीं पावरफुल व्यक्तियों के सामने सिर मस्तक करते हुए उनकी बातों का मान रखते हुए कुछ वक्त दे दिया था। जिसका फायदा वह आज दिनांक तक उठा रहे हैं। देखने की यह बात है कि गरीबों पर प्रशासन कार्रवाई तत्काल प्रभाव से करता है और वही पावरफुल व्यक्ति के सामने प्रशासन मौन होकर कुछ देर में ही नौ दो ग्यारह हो जाता है फिर कछुए की चाल में कार्यवाही को डाल देता है। जबकि कुछ जगह में तो कागजों में ही मुहिम चलाकर अतिक्रमण हटा दिया गया है। इसके बाद लंबे वक्त तक पुन- अतिक्रमण की कार्यवाही नहीं होने से फिर से लोगों ने अपना-अपना कब्जा पुन-स्थापित कर लिया है।

गौरतलब यह है कि जिला प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी जैसे कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, अनुविभागीय अधिकारी एवं अन्य अधिकारी की गाड़ियां प्रतिदिन इन्हीं रास्ते से अपने दफ्तर आती जाती हैं। उसके बावजूद भी उनकी आंखों में कौनसी पट्टी बंधी हुई है यह तो वही बता सकते है। सर्किट हाउस चौक से जनपद पंचायत सिवनी, बस स्टैंड होते हुए छिंदवाड़ा चौक तक पुन- व्यापारियों ने अपनी दुकान सजा रखी है।

लालबर्रा क्षेत्र भर में जेसीबी से बेखौफ होकर अवैध उत्खनन व परिवहन

जिम्मेदार प्रशासन हुआ बेलगाम

मजदूरों को काम देना छोड़, जेसीबी को दिया जा रहा काम

पांढ़रवानी गार्डन तालाब में 3 जेसीबी से खनन कर मिट्टी का व्यवसायिक उपयोग

लालबर्रा। राष्ट्रबाण

बालाघाट जिले के लालबर्रा जनपद पंचायत क्षेत्र अंतर्गत चारो तरफ विभिन्न पंचायत में मजदूरों की जगह बेखौफ होकर जेसीबी से अवैध उत्खनन कर दर्जनों ट्रैक्टर से परिवहन कर मिट्टी बेची जा रही है। नगर मुख्यालय की ग्राम पंचायत पांढ़रवानी (लालबर्रा) में पांढ़रवानी रोड़ में बने गार्डन तालाब में 3 जेसीबी से खनन कर दर्जनों ट्रैक्टर से परिवहन कर मिट्टी का व्यवसायिक उपयोग कर नगर में विभिन्न स्थानों पर प्लाटिंग में ग्राम पंचायत पांढ़रवानी द्वारा मिट्टी बेची जा रही है, 8 मई गुरुवार को 1 जेसीबी, शुक्रवार को 2 जेसीबी से तो शनिवार को 3 जेसीबी के माध्यम से नियम विरुद्ध मजदूरों को काम देना छोड़ उनके पेट पर लात मारकर जेसीबी मालिकों को लाभ पहुंचाया जा रहा है। जेसीबी को तालाब में खुदाई के लिए काम नहीं दिया जाएगा तो उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर हो जाएगी ऐसा नहीं है, लेकिन मजदूरों को उनके हक का मजदूरी का काम नहीं दिया जाएगा तो जरूर उनकी आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। सूत्रों के हवाले से जानकारी मिल रही है कि ग्राम पंचायत पांढ़रवानी सरपंच द्वारा जिला पंचायत से शासकीय तालाब को गहरीकरण करने के लिए स्वीकृति ली गई है। स्वीकृति किस मद से, कितनी लागत से इसका साईन बोर्ड निर्माण कार्य स्थल पर नहीं लगाया गया है, आम जनता से जानकारी छुपाई जा रही है जिससे कि भ्रष्टाचार होने का अंदेशा लग रहा है। स्थानीय जनपद स्तर से कोई स्वीकृति नहीं है।

मछुआरा समिति लालबर्रा के सदस्यों ने जानकारी देते हुए बताया कि उनके द्वारा इस शासकीय तालाब को 10 वर्ष के लिए 2024 से 2034 तक मछली पालन व्यवसाय के लिए किराए पर लिया गया है। जहां मछुआरा समिति ने बताया कि उन्होंने इस वर्ष लगभग एक से डेढ़ लाख रुपए का मछली बीच तालाब में डाला था जिसकी फसल अब तैयार हो चुकी थी जहां से वह कुछ मछलियां बेच चुके हैं लेकिन और बहुत मछलियां तालाब में बाकी थी लेकिन ग्राम पंचायत द्वारा तालाब की मेड़ पार को एक स्थान से काट दिया गया है जिससे पानी बह गया, जिसके कारण मछुआरा समिति बता रही है कि उन्हें लगभग 5 लाख रुपए के आसपास का नुकसान हुआ है, इधर मछुआरा समिति को लाखों का नुकसान तो मजदूरों के हक की राशि जेसीबी मालिक को मिलेगी। मजदूरों को काम दिलाकर उनको लाभ पहुंचाना शासन -प्रशासन की मंशा रहती है, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।

लालबर्रा क्षेत्र में चारों तरफ अनेक पंचायत व अन्य स्थानों पर जेसीबी मशीन के माध्यम से अवैध रूप से खनन कर बिना व्यावसायिक रजिस्ट्रेशन वाले मतलब कृषि कार्य वाले ट्रैक्टरों से परिवहन कर व्यावसायिक उपयोग कर प्लाटिंग में या अन्य स्थान पर मिट्टी बेची जा रही है। कई बिना नंबर के ट्रैक्टर सड़क पर फर्राटे भरते हुए दौड़ रहे हैं इनमें कई चालक के ड्राइविंग लाइसेंस नहीं होंगे, यदि इन तेज रफ्तार सरपट दौड़ रहे ट्रैक्टरों से कोई दुर्घटना होती है तो इसका जिम्मेदार कौन होगा? उस मिट्टी की खुदाई जेसीबी से की जा रही है जिसका पैसा शासन मजदूरों के नाम पर देगी और इस मिट्टी को ग्राम पंचायत सरपंच सचिव रोजगार सहायक व्यवसायिक उपयोग कर किसी अन्य व्यक्ति को प्लाटिंग के स्थान पर या अन्य जगह मिट्टी को बेचकर मालामाल हो रहे हैं।

पंचायत में निर्माण कार्य ठेकेदारों द्वारा कराए जा रहे हैं निर्माण कार्यों के लिए ठेकेदार सरपंचों को 10 से 15त्न तक कमीशन देते हैं। ऐसे में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

क्षेत्र की अधिकांश पंचायत में सरपंच अपनी मनमानी कर रहे हैं। जनपद पंचायत व जिला पंचायत की सांठगांठ से अधिकांश ठेकेदार ग्राम पंचायत में नियम विरुद्ध काम कर रहे हैं और बेहद घटिया स्तर का कार्य शासन प्रशासन की सांठगांठ से कर रहे हैं। सरपंच सचिव रोजगार सहायक, उपयंत्री एसडीओ सीईओ संबंधित बाबू से सांठगांठ कर ठेकेदार इन्हें कमीशन देकर सरेआम गुणवत्ता को ताक में रखकर काम कर रहे हैं। खुलेआम चल रही जेसीबी जिम्मेदार बने मूक दर्शक, मजदूरों के हक पर डाका डाल ग्राम पंचायतें जेसीबी से करवा रही काम।

अधिकांश ग्राम पंचायतों की तो मनरेगा योजना में लूट और भ्रष्टाचार रुकने का नाम ही नहीं ले रहा, परंतु इन योजनाओं का लाभ कुछ अधिकारी और उनसे जुड़े हुए संबंधित लोगों के कारण गरीब जनता तक नहीं पहुंच पा रहा, क्योंकि लालबर्रा जनपद क्षेत्र में सरपंचों की मनमानी और जिम्मेदार अधिकारियों की आपसी सांठगांठ से मनरेगा योजना में भ्रष्टाचार अपनी चरम सीमा पर है। जहां सरपंच सचिव रोजगार सहायक, उपयंत्री शासन के नियमों को ताक पर रखकर अपनी मनमानी करते हुए मनरेगा व अन्य योजनाओं के तहत किए जाने वाले कार्य गांव के मजदूरों से कराने की बजाय जेसीबी मशीन लगाकर बेखौफ होकर धड़ल्ले से करवाया जा रहा है।

जनपद क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों में इन दिनों मनरेगा योजना अंतर्गत सुदूर सड़क, तालाब निर्माण (परकुलेशन टैंक), पुलिया निर्माण सहित अन्य निर्माण कार्य प्रारंभ है, जहां गांव के सरपंच सचिव रोजगार सहायक व संबंधित उपयंत्री द्वारा मनरेगा के तहत कराए जा रहे निर्माण कार्य स्थानीय ग्रामीण जॉब कार्ड धारक मजदूरों से न कराते हुए निर्माण कार्य को जेसीबी मशीनों से कराया जा रहा है, जबकि शासन के नियम के मुताबिक निर्माण लागत का 60 फ़ीसदी कार्य मनरेगा जॉब कार्ड धारी मजदूरों से कराना आवश्यक होता है, लेकिन लालबर्रा जनपद की अधिकांश पंचायतों में मनरेगा निर्माण कार्य जो लाखों रुपए की लागत से किया जा रहा है। मजदूरों के हक पर डाका डालकर मशीनों से कार्य करते हुए अपने चित परिचित एवं सगे संबंधियों के जॉब कार्ड में फर्जी तरीके से हाजिरी डालकर लाखों रूपयों का बंदरबांट कर रहे हैं।

पंचायत के संचालन के लिए वरदान साबित हो रही मनरेगा योजना

विदित हो कि पंचायत के मैनेजमेंट व पंचों को साधने के लिए इन दिनों मनरेगा योजना पंचायत के लिए वरदान साबित हो रही है। देखने में आ रहा है कि पंचायत द्वारा अपने निजी खर्च, पंचायत में लगने वाले चाय नाश्ता, सरपंच सचिव रोजगार सहायक के अपने निजी चाय पान का खर्च भी मनरेगा योजना से दुकानदार के नाम से हाजिरी भरकर मैनेज किया जा रहा है। इसलिए यहां यह कहना लाजमी नहीं होगा कि मनरेगा योजना अंतर्गत कच्ची नाली व नालापथोपचार के भरोसे पंचायत का मैनेजमेंट पंचों को साधने व अपने अन्य निजी खर्च के लिए मनरेगा योजना वरदान साबित हो रही है। अधिकारियों के संरक्षण में मनरेगा योजना अंतर्गत निर्माण कार्यों में फर्जी हाजिरी, जेसीबी का उपयोग बेखौफ होकर किया जा रहा है। अब यह देखना बाकी होगा कि माह म ई और जून में मनरेगा योजना में अनियमितता, भ्रष्टाचार व मनमानी के कितने और मामले जागरूक ग्रामीणों के माध्यम से अखबारों की सुर्खियां बटोरेंगे। जिम्मेदार अधिकारियों से जानकारी लेने पर मीडिया को गुमराह करते हैं और गोलमोल जानकारी देकर जिम्मेदार बचते हैं। सब कुछ जानकर भी बनते हैं अनजान।

सिकल सेल मरीजों के लिए दो दिवसीय टीकाकरण कार्यक्रम

जिला चिकित्सालय और सभी सीएचसी पर 14 और 15 मई को लगेगा कैंप

बैतूल। राष्ट्रबाण

जिला चिकित्सालय में नेशनल सिकल सेल कार्यक्रम के अंतर्गत 0 से 20 वर्ष के चिन्हित सिकल सेल रोगियों के लिए 14 और 15 मई 2025 को विशेष टीकाकरण शिविर का आयोजन किया जाएगा। शहरी क्षेत्र के मरीजों का टीकाकरण जिला चिकित्सालय के एम.सी.एच. भवन में स्थित टीकाकरण कक्ष में किया जाएगा। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों का टीकाकरण उनके विकासखण्ड के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर होगा।

सिकल सेल कार्यक्रम के जिला नोडल अधिकारी डॉ अंकिता सिते ने बताया कि कैंप को लेकर सीएमएचओ डॉ राजेश परिहार ने आदेश जारी किया है कि सिकल सेल मरीजों के टीकाकरण के लिए विशेष शिविर आयोजित किए जाए और सभी मरीजों का टीकाकरण किया जाए। उन्होंने बताया कि जिला चिकित्सालय में सिविल सर्जन डॉ जगदीश घोरे शिविर का आयोजन कर रहे है ।

डॉ सिते ने बताया कि शिविर में सिकल सेल रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण और रक्त परीक्षण भी किया जाएगा। मरीजों को उनके स्वास्थ्य की स्थिति के आधार पर डिसएबिलिटी प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा। टीकाकरण के बाद मरीजों को फॉलोअप कार्ड जारी किया जाएगा।

मरीजों के परिजनों को निर्देश दिए है कि वे शिविर में सिकलसेल रिपोर्ट (एच.पी.एल.सी.) की छायाप्रति,आधार कार्ड की छायाप्रति,समग्र आईडी की छायाप्रति,पासपोर्ट साइज फोटो जरूर लेकर आए। शिविर में उपस्थित होने वाले मरीजों से अपील की गई है कि वे अपने विकासखण्ड के चिकित्सा अधिकारी या सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से संपर्क कर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें। प्रयास किया जा रहा है सिकल सेल मरीजों की 100 प्रतिशत उपस्थिति रहे ताकि अधिक से अधिक सिकल सेल रोगियों को इस लाभकारी कार्यक्रम का लाभ मिल सके।

प्रदेश में प्रथम और ऑल इंडिया में छठवां स्थान हासिल करने वाली प्रतिभा का वार्डवासियों ने किया सम्मान

बैतूल। राष्ट्रबाण

विवेकानंद वार्ड की होनहार छात्रा प्रतिभा पिंजारे का नेशनल टैलेंट हंट एग्जाम में प्रदेश में पहला और ऑल इंडिया में छठवां स्थान हासिल करने पर वार्ड वासियों द्वारा एक सम्मान समारोह आयोजित कर सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम वार्ड के शिव मंदिर परिसर में आयोजित किया गया, जहां पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष आनंद प्रजापति के नेतृत्व में वार्ड के नागरिकों ने प्रतिभा का स्वागत किया और उसके उज्जवल भविष्य की कामना की।

प्रतिभा पिंजारे शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय बैतूल की छात्रा हैं। प्रतिभा ने नेशनल टैलेंट हंट एग्जाम में यह उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने के साथ-साथ 10वीं कक्षा में 97.6 प्रतिशत अंक हासिल कर जिले की प्रवीण्य सूची में अपना नाम दर्ज किया है।।प्रतिभा विवेकानंद वार्ड निवासी पवन पिंजारे और छाया पिंजारे की पुत्री हैं। उनकी इस सफलता पर परिवार, शिक्षकों और वार्डवासियों ने हर्ष व्यक्त किया और उन्हें भविष्य में और भी ऊँचाइयों को छूने की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने प्रतिभा की मेहनत और संघर्ष की सराहना की और उसे क्षेत्र की गौरवशाली बेटी बताया।

मवेशियों की तस्करी करने वाले 2 आरोपी गिरफ्तार

सिवनी। राष्ट्रबाण

सिवनी जिले में छपारा पुलिस ने सोमवार को एक पिकअप वाहन से 3 बैलों को बरामद किया है। दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सूचना के आधार पर 12 मई को पुलिस टीम ने जबलपुर बायपास छपारा चौराहे पर नाकाबंदी की। पिकअप वाहन (क्रमांक स्क्क 18 ब्र 2029) को रोकने का प्रयास किया गया।

चालक ने वाहन को खतरनाक तरीके से भगाने का प्रयास किया। पुलिस ने पीछा कर टाटा मोटर्स के पास वाहन को रोका। जांच में पाया गया कि वाहन में 3 बैलों को क्रूरतापूर्वक रस्सियों से बांधकर भरा गया था। इन्हें लखनादौन से नागपुर के कत्लखाने ले जाया जा रहा था।

आरोपी नरसिंहपुर के रहने वाले: गिरफ्तार राज राय (23 वर्ष) और खेमचंद गोंड (20 वर्ष) दोनों नरसिंहपुर जिले के गाड़रवाड़ा खेड़ा के रहने वाले हैं। पुलिस ने वाहन और मवेशियों को जब्त कर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

भारतीय पत्रकारिता जगत ने आज अपना एक स्तंभ खो दिया

बैतूल। राष्ट्रबाण

डॉ. के. विक्रम राव।

पत्रकारिता जगत के लिए मंगलवार, 13 मई 2025 का दिन अपूरणीय क्षति लेकर आया। देश के वरिष्ठ और प्रतिष्ठित पत्रकार डॉ. के. विक्रम राव का प्रातः लखनऊ में निधन हो गया। सांस संबंधी तकलीफ के चलते उन्हें सुबह लखनऊ स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। डॉ. के. विक्रम राव दशकों तक पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय रहे। उनकी लेखनी निर्भीक, स्पष्टवादिता और सिद्धांतों पर आधारित रही। उन्होंने देश भर में पत्रकारों के अधिकारों के लिए आवाज बुलंद की और भारतीय पत्रकार महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में भी सेवाएं दीं।

उनके निधन का समाचार मिलते ही पूरे देश के पत्रकारिता जगत में शोक की लहर दौड़ गई। बैतूल जिला मुख्यालय के मीडिया सेंटर में मंगलवार को श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई, जिसमें जिले के पत्रकार, समाजसेवी और बुद्धिजीवी उपस्थित हुए। इस अवसर पर बैतूल जिले के वरिष्ठ पत्रकार रामकिशोर पवार, जो कि बीते 38 वर्षों से डॉ. राव के संपर्क में रहे, उन्होंने कहा कि पत्रकारिता का एक मजबूत स्तंभ आज हमसे विदा हो गया। उन्होंने बताया कि डॉ. राव ने हमेशा पत्रकारों की समस्याओं को गंभीरता से उठाया और उनके समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाई।

डॉ. के. विक्रम राव का पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए 703, पैलेस कोर्ट अपार्टमेंट, निकट कांग्रेस कार्यालय, मॉल एवेन्यू, लखनऊ स्थित उनके निवास पर रखा गया है, जहां बड़ी संख्या में लोग उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंच रहे हैं। भारतीय पत्रकारिता के इस युगपुरुष को नमन करते हुए जिले के पत्रकारों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की। ईश्वर से प्रार्थना की गई कि वे दिवंगत आत्मा को शांति दें और शोकाकुल परिवार को यह वज्राघात सहने की शक्ति प्रदान करें।

बड़े पैमाने पर देशी , विदेशी शराब जब्त, 4 के खिलाफ मामला दर्ज

अवैध शराब कारोबारियों पर ताबड़तोड़ कार्यवाही

बैतूल। राष्ट्रबाण

कार्यवाही करते हुए आबकारी विभाग।

मां ताप्ती के उद्गम स्थल मुलताई को पवित्र नगरी घोषित करने के बाद शासन के निर्देश पर यहां आबकारी विभाग द्वारा शराब का विक्रय पूरी तरह बन्द करवा दिया गया है। लेकिन चोरी छिपे शराब विक्रय की सूचना मिलने के बाद आबकारी ने कार्यवाहियां भी शुरू कर दी हैं। रविवार रात आबकारी अधिकारी अंशुमान सिंह चढ़ार के निर्देश पर आबकारी अमले ने ताबड़तोड़ कार्यवाही कर अवैध शराब बिक्री के अड्डों और ढाबों का तलाशी अभियान चलाया। आबकारी और पुलिस के संयुक्त अभियान में चार स्थानों से बड़े पैमाने पर देशी विदेशी शराब जब्त कर आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए गए है।

जिला आबकारी अधिकारी अंशुमान सिंह ने बताया कि, कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक बैतूल के निर्देशानुसार पवित्र नगरी में अवैध शराब बिक्री के खिलाफ धरपकड़ अभियान शुरू कर दिया गया है। पवित्र नगरी मुल्ताई शहर में अवैध शराब विक्रय की प्राप्त शिकायतों के मद्देनजर दबिश की कार्यवाही के दौरान शास्त्री वार्ड में सविता पति गोलू बढ़िये के मकान पर दबिश दी गई। यहां से 8 पावर केन बीयर,तथा मटन मार्केट निवासी अरुण पिता महादेव कब्जे से 8 बोतल बोल्ट बीयर,शिवाय ढाबा परमंडल में राजू पिता मधुकर पवार के कब्जे से 11 पाव विदेशी मदिरा, तथा 39 पाव देशी मदिरा , और सर्रा निवासी नंदू पिता धुंधकारी सूर्यवंशी को 18 पाव देशी प्लेन मदिरा बेचते पकड़ा गया है। जब्त शराब की कीमत लगभग 8 हजार 500 रुपए आंकी गई है। आरोपियों के खिलाफ मप्र आबकारी अधिनियम की धारा 1915/2000 की धारा 34(1) क,36 के तहत् कार्यवाही कर कुल 4 प्रकरण कायम किए गए है। इसके अलावा आसपास संचालित ढाबों में भी सघन तलाशी ली गई। जिनमे बाबा ढाबा, शिव ढाबा, बावर्ची ढाबा, नमो आस्था ढाबा, पूजा ढाबा और एमपी ढाबा शामिल हैं। आबकारी अधिकारी के मुताबिक यह तय किया गया है कि, पवित्र नगरी में शराब की बिक्री प्राथमिकता से प्रतिबंधित की जाए इसके लिए सतत रूप से कार्यवाही जारी रहेगी। कार्यवाही में वृत्त मुल्ताई प्रभारी आबकारी उप निरीक्षक सुरेन्द्र देवांगन , आबकारी उप निरीक्षक राजेश वट्टी , आबकारी उप निरीक्षक गौरव पाण्डेय, आबकारी उप निरीक्षक दिलीप भादे, सहित पुलिस स्टाफ शामिल था।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक संजय बघेल द्वारा श्री सिद्धिविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एमपी नगर भोपाल म.प्र से मुद्रित कराकर शिवनगर कॉलोनी सड़क मोहल्ला मरझोर जिला सिवनी से प्रकाशित।
RNI NO.: MPHIN/2015/72804 , **संपादक* संजय बघेल** पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र सिवनी होगा। E-mail: rashtrabaan@gmail.com. mob: 7000427433